कक्षा - 10

समकालीन भारत - 2

अध्याय - 2

वन एवं वन्य जीव संसाधन

भाग - 4

पंकज वैष्णव

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक विज्ञान

समकालीन भारत -2

कक्षा 10 के लिए भूगोल की पाठ्यपुस्तक

विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
1.	संसाधन एवं विकास	1
2.	वन एवं वन्य जीव संसाधन	13
3.	जल संसाधन	19
4.	कृषि	30
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	42
6.	विनिर्माण उद्योग	58
7.	राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ	72
	परिशिष्ट–क	86
	परिशिष्ट–ख	87
	शब्दावली	88

© NCERT not to be republished

वन एवं वन्य जीव संसाधन



Q. स्थायी वनों के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्र किस राज्य में है ?

(a) उत्तर प्रदेश
(b) मध्य प्रदेश
(c) आँध्र प्रदेश
(d) अरुणाचल प्रदेश

75%

वन एवं वन्य जीव संसाधन



Q. पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में अधिकतर वन क्षेत्र किन वनो के अंतर्गत आते है ?

(a) आरक्षित वन
(b) रक्षित वन
(c) अवर्गीकृत वन
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

M.P.

सरकार/समुदाय

वन एवं वन्य जीव संसाधन



Q. सरिस्का बाघ रिज़र्व किस राज्य में है ?

(a) महाराष्ट्र
(b) गुजरात
(c) उत्तराखंड
(d) राजस्थान → रणथम्भौर

वन एवं वन्य जीव संसाधन



Q. भैरोंदेव डाकव 'सोंचुरी' किस राज्य में है ?

(a) पंजाब
(b) केरल
(c) मेघालय
(d) राजस्थान

अलवर

RJ

वन एवं वन्य जीव संसाधन

समुदाय और वन संरक्षण



वन संरक्षण की नीतियाँ हमारे देश में कोई नई बात नहीं है।

वन हमारे देश में कुछ मानव प्रजातियों के आवास भी हैं।

भारत के कुछ क्षेत्रों में तो स्थानीय समुदाय, सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर अपने आवास स्थलों के संरक्षण में जुटे हैं। क्योंकि इसी से ही दीर्घकाल में उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हो सकती है।

वन एवं वन्य जीव संसाधन



सरिस्का बाघ रिज़र्व (राजस्थान) में के गाँवों के लोग वन्य-जीव रक्षण अधिनियम के तहत वहाँ से खनन कार्य बन्द करवाने के लिए संघर्षरत हैं।

राजस्थान के अलवर ज़िले में 5 गाँवों के लोगों ने तो 1,200 हेक्टेयर वन भूमि भैरोंदेव डाकव 'सोंचुरी' घोषित कर दी जिसके अपने ही नियम कानून हैं; जो शिकार वर्जित करते हैं तथा बाहरी लोगों की घुसपैठ से यहाँ के वन्य जीवन को बचाते हैं।

वन एवं वन्य जीव संसाधन



चिपको आंदोलन (हिमालय)

- कई क्षेत्रों में वन कटाई रोकने में ही कामयाब रहा
- स्थानीय पौधों की जातियों को प्रयोग करके सामुदायिक वनीकरण अभियान को सफल बनाया

टिहरी में किसानों का बीज बचाओ आंदोलन और नवदानय ने दिखा दिया है कि रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग के बिना भी विविध फसल उत्पादन द्वारा आर्थिक रूप से व्यवहार्य कृषि उत्पादन संभव है।

ipca
A dose of life

वन एवं वन्य जीव संसाधन

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सरकार

समुदाय

संयुक्त वन प्रबंधन कार्यक्रम (JFM)

- भारत में क्षरित वनों के प्रबंध और पुनर्निर्माण में स्थानीय समुदायों की भूमिका के महत्त्व को उजागर करते हैं।
- औपचारिक रूप में इन कार्यक्रमों की शुरुआत 1988 में हुई जब ओडिशा राज्य ने संयुक्त वन प्रबंधन का पहला प्रस्ताव पास किया।
- वन विभाग के अंतर्गत 'संयुक्त वन प्रबंधन' क्षरित वनों के बचाव के लिए कार्य करता है

2023

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन



वन एवं वन्य जीव संसाधन

- इसमें गाँव के स्तर पर संस्थाएँ बनाई जाती हैं जिसमें ग्रामीण और वन विभाग के अधिकारी संयुक्त रूप में कार्य करते हैं।
- इसके बदले ये समुदाय मध्य स्तरीय लाभ जैसे गैर-इमारती वन उत्पादों के हकदारी होते हैं तथा सफल संरक्षण से प्राप्त इमारती लकड़ी लाभ में भी भागीदार होते हैं।

वन एवं वन्य जीव संसाधन



पवित्र पेड़ों के झुरमट - विविध और दुर्लभ जातियों की संपत्ति

प्रकृति की पूजा सदियों पुराना जनजातीय विश्वास है, जिसका आधार प्रकृति के हर रूप की रक्षा करना है।

इन्हीं विश्वासों ने विभिन्न वनों को मूल रूप में बचाकर रखा है, जिन्हें पवित्र पेड़ों के झुरमुट (देवी-देवताओं के वन) कहते हैं।

ऐसे वनों में स्थानीय लोग न तो खुद घुसते है तथा न ही किसी और को छेड़छाड़ करने देते है ।

कुछ समाज कुछ विशेष पेड़ों की पूजा करते हैं और आदिकाल से उनका संरक्षण करते आ रहे हैं।

वन एवं वन्य जीव संसाधन



वन एवं वन्य जीव संसाधन



आप अनेक मंदिरों के आस पास बंदर और लंगूर पाएँगे। उपासक उन्हें खिलाते- पिलाते हैं और मंदिर के भक्तों में गिनते हैं।

भारतीय समाज में अनेकों संस्कृतियाँ हैं और प्रत्येक संस्कृति में प्रकृति और इसकी कृतियों को संरक्षित करने के अपने पारंपरिक तरीके हैं।

आमतौर पर झरनों, पहाड़ी चोटियों, पेड़ों और पशुओं को पवित्र मानकर उनका संरक्षण किया जाता है।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

वन एवं वन्य जीव संसाधन

छोटानागपुर क्षेत्र में मुंडा और संथाल जनजातियाँ महुआ और कदंब के पेड़ों की पूजा करते हैं।

ओडिशा और बिहार की जनजातियाँ शादी के दौरान इमली और आम के पेड़ की पूजा करती हैं।

हममें से बहुत से व्यक्ति पीपल और वटवृक्ष को पवित्र मानते हैं।

राजस्थान में बिश्नोई गाँवों के आस पास आप काले हिरण, चिंकारा, नीलगाय और मोरों के झुंड देख सकते हैं जो वहाँ के समुदाय का अभिन्न हिस्सा हैं और कोई उनको नुकसान नहीं पहुँचाता।

ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



वन एवं वन्य जीव संसाधन



३०० वर्ष

जोधपुर

वन एवं वन्य जीव संसाधन





विश्नोई समाज



ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

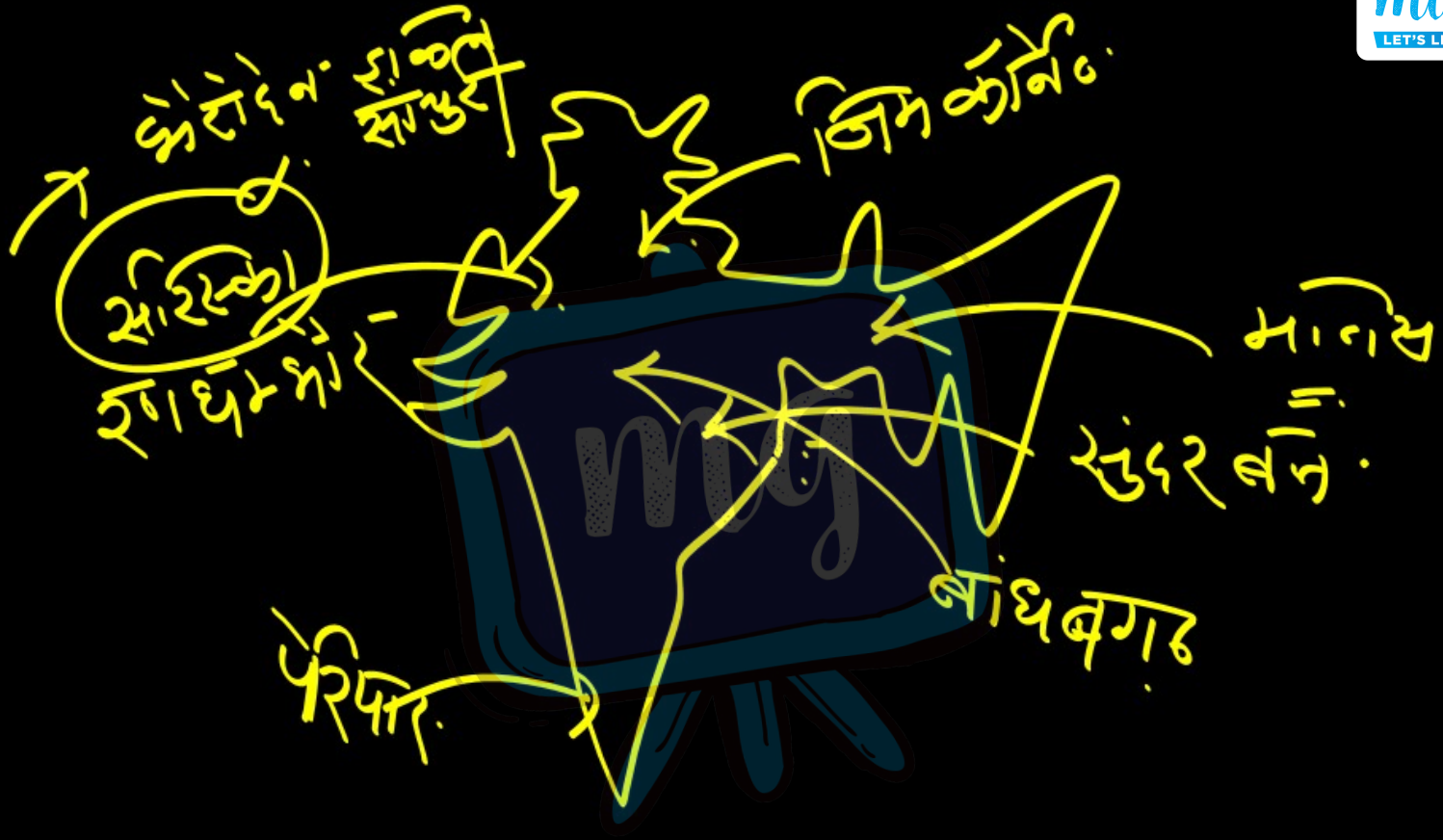
वन्य जीव संसाधन

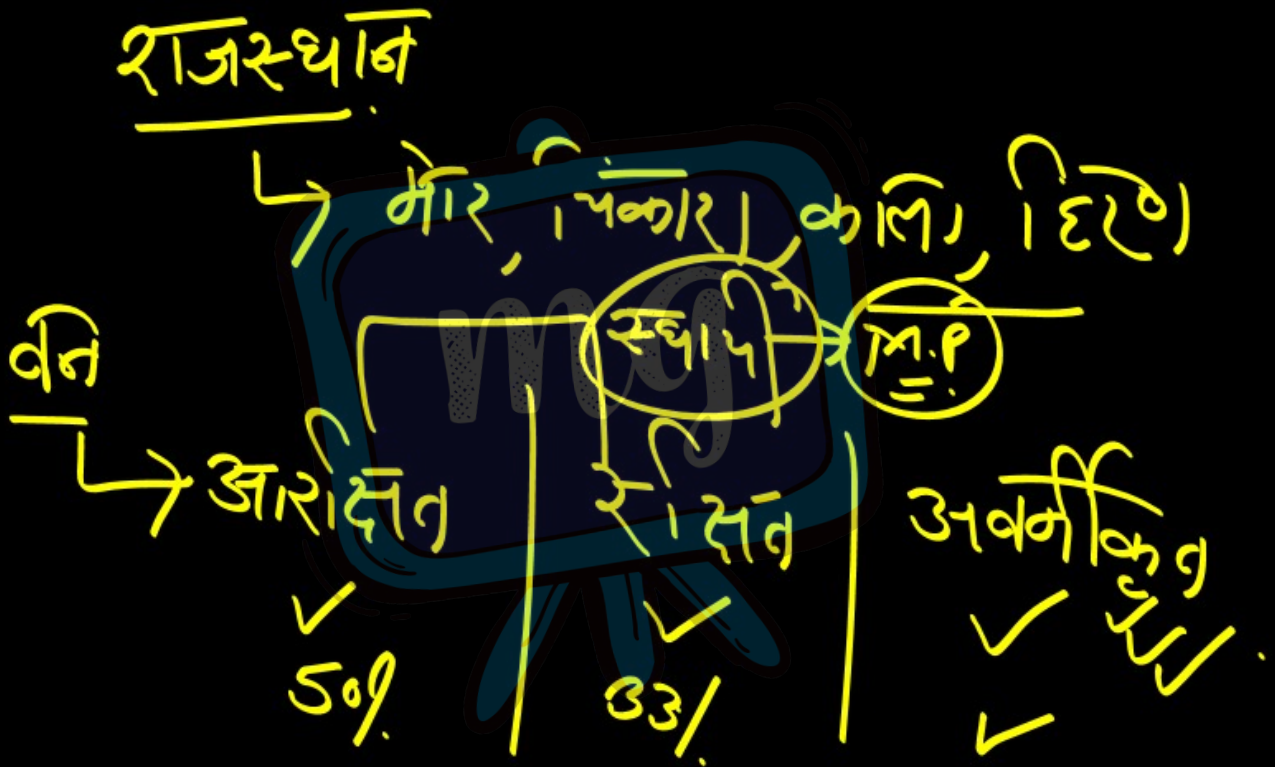
- सरकारी → 1972
  - → प्रोजेक्ट टाइगर → 1973
  - → बाघ रिजर्व
- समुदाय →
- संयुक्त वन प्रबंधन → 1988 / उड़ीसा



ipca
A dose of life

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER




राजस्थान
मोर
पंक्कार
कालि
दिए
स्थापना
M.P
वनि
आरक्षित
5%
रक्षित
33%
अवर्गीकृत